

Question Paper

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)



Time Allowed: 3 Hours

Maximum Marks: 80

General Instructions

- (i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 13 प्रश्न हैं। सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- (ii) प्रश्नों में दिए गए निर्देशों, आंतरिक विकल्पों तथा शब्द-सीमाओं का पालन कीजिए।
- (iii) यथासंभव प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- (iv) प्रश्न 4 और 6 में किन्हीं दो-दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए। प्रश्न 5 में किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।
- (v) प्रश्न 8 और 11 में किन्हीं दो-दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए। प्रश्न 9 और 12 में किसी एक अंश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में कीजिए। प्रश्न 13 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

1.

मोटापा भारत समेत दुनिया के विभिन्न देशों में बढ़ती हुई एक स्वास्थ्य समस्या का विषय है। यह सभी आयु, वर्ग और पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को प्रभावित करता है। इसे शरीर में अतिरिक्त चर्बी के रूप में परिभाषित किया जाता है और आमतौर पर इसे 'बॉडी मास इंडेक्स' द्वारा मापा जाता है। मोटापा और अधिक वजन की समस्या समय के साथ बढ़ती जाती है। इसका खतरा सिर्फ इसी बात से तय नहीं होता कि कितना खाया जा रहा है, बल्कि किस तरह के खाद्य या पेय पदार्थों का सेवन किया जा रहा है, कितनी और किस तरह की शारीरिक गतिविधियाँ की जा रही हैं, रात में कितनी अच्छी नींद ली जा रही है, इन सबसे भी यह निर्धारित होता है। मोटापे का सामाजिक माहौल और विभिन्न तनावों से भी गहरा रिश्ता है। संक्षेप में कहें तो व्यवहार और जीवन-शैली, आसपास का माहौल, पारिवारिक इतिहास और अंदरूनी शारीरिक बदलाव मोटापे के कारण हैं। अधिक वजन और मोटापा टाइप-2 मधुमेह, हृदय संबंधी रोग, कई तरह के कैंसर और अन्य समस्याओं को जन्म दे सकता है। ऐसे में, इस समस्या से पार पाने के लिए 'सार्वजनिक स्वास्थ्य' में संजीदगी दिखानी होगी। आमतौर पर खान-पान की आदतों में बदलाव करके, अपनी शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाकर और सुस्त जीवन-शैली से दूरी बनाकर हम मोटापे को काफ़ी हद तक रोक सकते हैं। डिब्बाबंद या पैकेट बंद खाद्य पदार्थों का सेवन बंद करके, पोषक तत्वों की जानकारी देखकर, पैकेट बंद खाद्य पदार्थों की खरीददारी करके, खाद्य पदार्थों के विज्ञापनों के प्रलोभनों से बचकर इस समस्या से बचाव की शुरुआत की जा सकती है। नौजवानों और वयस्कों को पाकों और उन स्थानों पर समय बिताना चाहिए, जहाँ उनकी शारीरिक गतिविधियाँ हो सकें या उनमें चलने की आदत विकसित हो सके। छोटे-छोटे कदम बढ़ाकर ही इस समस्या को हराया जा सकता है।

1(i).

'मोटापा सभी आयु, वर्ग और पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को प्रभावित करता है।' - कथन में 'पृष्ठभूमि' से क्या अभिप्राय है?

- | | |
|--------------------------|----------------------|
| (A) पीछे की भूमि | (B) आसपास का वातावरण |
| (C) शहरी-ग्रामीण क्षेत्र | (D) पीछे का संदर्भ |

1(ii).

गद्यांश के संदर्भ में आधुनिक जीवन-शैली का कौन सा घटक मोटापे की समस्या का कारक नहीं है?

- | | |
|--------------------------------------|--------------------------------|
| (A) विश्राम की मानसिकता | (B) अत्यधिक सक्रियता |
| (C) पैकेट बंद खाद्य पदार्थों का सेवन | (D) शारीरिक गतिविधियों में कमी |

1(iii).

'पारिवारिक इतिहास' से आशय है -

- | | |
|------------------------|------------------------|
| (A) आनुवंशिक प्रवृत्ति | (B) पारिवारिक परंपरा |
| (C) पारिवारिक समृद्धि | (D) वंशानुगत पृष्ठभूमि |

1(iv).

मोटापे से क्या आशय है?

1(v).

मोटापे की समस्या को किस प्रकार नियंत्रित किया जा सकता है?

1(vi).

सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वास्थ्य के बीच का अंतर स्पष्ट कीजिए।

1(vii).

मोटापे को एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या क्यों माना गया है?

2.

हरी बिछली घास। दोलती कलगी छरहरे बाजरे की। अगर मैं तुम को ललाती साँझ के नभ की अकेली तारिका अब नहीं कहता, या शरद के भोर की नीहार-न्हायी कुँई, टटकी कली चम्पे की, वगैरह, तो नहीं कारण कि मेरा हृदय उथला या कि सूना है या कि मेरा प्यार मैला है। बल्कि केवल यही: ये उपमान मैले हो गये हैं। देवता इन प्रतीकों के कर गये हैं कूच। आज हम शहरातियों को पालतु मालेच पर सँवरी जूही के फूल से सृष्टि के विस्तार का - ऐश्वर्य का - औदार्य का - कहीं सच्चा, कहीं प्यारा एक प्रतीक बिछली घास है, या शरद की साँझ के सूने गगन की पीठिका पर दोलती कलगी अकेली बाजरे की। और सचमुच, इन्हें जब-जब देखता हूँ यह खुला वीरान संसृति का घना हो सिमट आता है - और मैं एकान्त होता हूँ समर्पित शब्द जादू हैं - मगर क्या समर्पण कुछ नहीं है ?

2(i).

'उपमान मैले हो गए हैं' से अभिप्राय है -

- | | |
|---------------------------------|-------------------------------|
| (A) उपमानों का प्राचीन होना | (B) उपमानों का समझ न आना |
| (C) संप्रेषण-शक्ति का अभाव होना | (D) आकर्षण शक्ति का अभाव होना |
-

2(ii).

काव्यांश के मूल भाव को व्यक्त करने वाला कथन नहीं है

- | | |
|--------------------------------|------------------------------|
| (A) प्रकृति के प्रति प्रेम भाव | (B) कवि की गहन सौंदर्य-चेतना |
| (C) ग्रामीण संस्कृति का वर्णन | (D) पुराने प्रतीकों का खंडन |
-

2(iii).

काव्यांश में नायिका के सौंदर्य की तुलना की गई है

- | | |
|---------------------|----------------------------|
| (A) नभ की तारिका से | (B) बाजरे की कलगी से |
| (C) चंपे की कली से | (D) ओस से भीगी कुमुदिनी से |
-

2(iv).

कवि अपनी प्रेमिका से क्या प्रश्न करता है?

2(v).

कवि परंपरागत उपमानों से प्रेयसी के सौंदर्य की तुलना क्यों नहीं करता?

2(vi).

'शब्द जादू है' क्या यह समर्पण कुछ नहीं है?' - पंक्तियों के आधार पर कवि के मनोभावों को व्यक्त कीजिए।

3(i).

इंटरनेट से आप क्या समझते हैं? (शब्द सीमा - लगभग 20 शब्द)

3(ii).

लोकतांत्रिक समाज में अखबारों की भूमिका स्पष्ट कीजिए। (शब्द सीमा - लगभग 40 शब्द)

3(iii).

मुद्रित और इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों में सामान्य समाचारों के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों या विषयों की जानकारी भी क्यों दी जाती है? (शब्द सीमा - लगभग 40 शब्द)

4.

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए: (i) श्रव्य माध्यमों की तुलना में दृश्य-श्रव्य माध्यमों की क्या विशेषताएँ हैं? (ii) समाचार पत्र-पत्रिकाओं में 'साक्षात्कार' की क्या भूमिका है? एक साक्षात्कारकर्ता के अपेक्षित गुणों का उल्लेख कीजिए। (iii) समाचार पत्र-पत्रिकाओं के लिए विशेष लेखन का कार्य कौन करता है? लेखन कार्य करने के लिए क्या अनिवार्य गुण अपेक्षित हैं?

5.

निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए: (i) स्वचित्र (सेल्फी) की बढ़ती प्रवृत्ति (ii) क्यों नहीं बंद हो रहा प्लास्टिक प्रयोग (iii) जब पिताजी की पदोन्नति हुई

6.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए: (i) एक सशक्त नाटक को कमजोर नाटक से अलग करने वाले तत्व को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (ii) सुमित्रानंदन पंत ने कविता के लिए चित्रभाषा की आवश्यकता पर बल क्यों दिया है? उदाहरण सहित लिखिए। (iii) 'संवदिया' कहानी में लेखक ने चरित्र-चित्रण के किन-किन तरीकों का इस्तेमाल किया है? 'कैसे लिखें कहानी' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

7.

पूस जाड़ थरथर तन काँपा। सुरुज जड़ाइ लंक दिसि तापा।। बिरह बाढ़ि भा दारुन सीऊ। कैपि कैपि मरौं लेहि हरि जीऊ।। कंत कहाँ हौं लागों हियरै। पंथ अपार सूझ नहिं नियरे।। सौर सुपेती आवै जूड़ी। जानहुँ सेज हिवंचल बूढ़ी।। चकई निसि बिछुरौ दिन मिला। हौं निसि बासर बिरह कोकिला।। रैन अकेलि साथ नहिं सखी। कैसें जिऔं बिछोही पँखी।। बिरह सचान भँवै तन चाँड़ा। जीयत खाइ मुएँ नहिं छाँड़ा।। रकत ढरा माँसू गर, हाड़ भए सब संख। धनि सारस होइ ररि मुई, आइ समेटहु पंख।।

7(i).

रानी नागमती का शरीर थर-थर क्यों काँप रहा था?

- | | |
|---|--|
| (A) पौष मास की हड्डियाँ काँपा देने वाली सर्दी के कारण | (B) पौष मास में राजा रत्नसेन की अनुपस्थिति के कारण |
| (C) सखी-सहेलियों की अनुपस्थिति के कारण | (D) सेज के हिवंचल में डूब जाने के कारण |

7(ii).

'कैसें जिऔं बिछोही पँखी' - पंक्ति में 'बिछोही पँखी' प्रयुक्त हुआ है -

- | | |
|-------------------|---------------------|
| (A) चकवी के लिए | (B) नागमती के लिए |
| (C) कोकिला के लिए | (D) पद्मावती के लिए |

7(iii).

चकवी पक्षी का उल्लेख यहाँ किस उद्देश्य से किया गया है?

- | | |
|---|---|
| (A) चकवा-चकवी कथा के कवि-सत्य से परिचित कराने हेतु | (B) रानी नागमती की विरह व्यथा का उल्लेख करने हेतु |
| (C) नागमती की विरह वेदना को चकवी के समान बताने हेतु | (D) नागमती की स्थिति को चकवी से हीन बताने हेतु |

7(iv).

उपरोक्त काव्यांश में प्रधान रूप से किस रस की प्रधानता है?

- | | |
|---------------|-------------|
| (A) शृंगार रस | (B) करुण रस |
| (C) वीभत्स रस | (D) शांत रस |

7(v).

निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उचित विकल्प का चयन कीजिए: कथन: राजा रत्नसेन की अनुपस्थिति में रानी नागमती मरणासन्न स्थिति में पहुँच गई है। कारण: विरहिणी नायिका को प्रिय तक पहुँचने का मार्ग नहीं मालूम।

- | | |
|---|---|
| (A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं। | (B) कारण सही है, लेकिन कथन गलत है। |
| (C) कथन सही है, लेकिन कारण कथन की गलत व्याख्या करता है। | (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। |

8.

काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए: (i) 'देवसेना का गीत' कविता के आधार पर देवसेना के जीवन की विडंबना को व्यक्त कीजिए। (ii) 'दीप का पंक्ति में विलय आत्मबोध का विश्वबोध में रूपांतरण है।' 'यह दीप अकेला' कविता के संदर्भ में सिद्ध कीजिए। (iii) ऋतुओं में परिवर्तन पहले की तरह ही स्वभावतः घटित होते रहते हैं, पर हम उनके प्रति निरपेक्ष बने रहते हैं, क्यों? 'वसंत आया' कविता के आधार पर लिखिए।

निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में कीजिए: तोड़ो तोड़ो तोड़ो ये ऊसर बंजर तोड़ो ये चरती परती तोड़ो सब खेत बनाकर छोड़ो मिट्टी में रस होगा ही जब वह पोसेगी बीज को हम इसको क्या कर डालें इस अपने मन की खीज को ? गोड़ो गोड़ो गोड़ो

OR

9(a).

9(b).

राधो ! एक बार फिर आवौ। ए बर बाजि बिलोकि आपने बहुरो बनहिं सिधावौ।। जे पय प्याइ पोखि कर-पंकज वार वार चुचकारो। क्यों जीविहिं, मेरे राम लाडिले ! ते अब निपट बिसारो।। भरत सौगुनि सार करत हैं अति प्रिय जानि तिहारे। तदपि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिममारे।। सुनहु पथिक ! जो राम मिलहिं बन कहियो मातु संदेसो। तुलसी मोहिं और सबहिन तैं इन्हको बड़ो अंदेसो।।

10.

भीड़ लड़के ने दिल्ली में भी देखी थी, बल्कि रोज देखता था। दफ्तर जाती भीड़, खरीद फ़रोख़्त करती भीड़, तमाशा देखती भीड़, सड़क क्रॉस करती भीड़। लेकिन इस भीड़ का अंदाज निराला था। इस भीड़ में एकसूत्रता थी। न यहाँ जाति का महत्त्व था, न भाषा का; महत्त्व उद्देश्य का था और वह सबका समान था; जीवन के प्रति कल्याण की कामना। इस भीड़ में दौड़ नहीं थी, अतिक्रमण नहीं था और अनोखी बात यह थी कि कोई भी स्नानार्थी किसी सैलानी आनंद में डुबकी नहीं लगा रहा था। बल्कि स्नान से ज्यादा समय ध्यान ले रहा था। दूर जलधारा के बीच एक आदमी सूर्य की ओर उन्मुख हाथ जोड़े खड़े थे। उसके चेहरे पर इतना विभोर, विनीत भाव था मानो उसने अपना सारा अहम त्याग दिया है, उसके अंदर 'स्व' से जनित कुंठा शेष नहीं है, वह शुद्ध रूप से चेतन स्वरूप, आत्माराम और निर्मलानंद है।

10(i).

हरिद्वार की भीड़ की विशेषता को प्रकट करने वाला विकल्प है: i. एकसूत्रता ii. समान उद्देश्य iii. भाषायी भिन्नता iv. आर्थिक समानता

- | | |
|-------------------|--------------------|
| (A) i और ii दोनों | (B) i और iii दोनों |
| (C) i, ii और iii | (D) ii, iii और iv |

10(ii).

'कोई भी स्नानार्थी किसी सैलानी आनंद में डुबकी नहीं लगा रहा था।' - का आशय है

- | | |
|---|--|
| (A) लोग आत्म-कल्याण की भावना से स्नान कर रहे थे, मनोरंजन के लिए नहीं। | (B) पर्यटकों को गंगा में स्नान कर आनंद की अनुभूति हो रही थी। |
| (C) गंगा में लोग सैलानियों की तरह स्नान नहीं कर रहे थे। | (D) गंगा में भक्त बिना किसी भय के डुबकी लगा रहे थे। |

10(iii).

हर की पौड़ी पर स्नान करने वाले भक्त गंगा में _____ डुबकी लगा रहे थे।

- | | |
|----------------------|------------------|
| (A) सैलानियों की तरह | (B) भक्ति भाव से |
| (C) आनंद से | (D) अहं भाव से |

10(iv).

गंगा में स्नान से ज्यादा समय लोग ध्यान पर क्यों लगा रहे थे?

- | | |
|----------------------|--------------------------|
| (A) जन कल्याण हेतु | (B) पापों से मुक्ति हेतु |
| (C) आत्म कल्याण हेतु | (D) मोक्ष प्राप्ति हेतु |

10(v).

जलधारा के बीच सूर्य नमस्कार करते व्यक्ति के चेहरे पर लड़के को कौन सा भाव नहीं दिखाई दिया?

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (A) विनम्रता का | (B) संतुष्टि का |
| (C) आनंद का | (D) कुंठा का |

11.

गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए: (i) 'प्रेमघन' के सान्निध्य में शुक्लजी के साहित्यकार रूप ने आकार ग्रहण किया। - इस कथन की पाठ के आधार पर पुष्टि कीजिए। (ii) 'बालक बच गया' से क्या आशय है? लेखक को ऐसा क्यों लगा कि उसके बचने की आशा है? (iii) विकास की आँधी, कुछ लोगों के लिए विनाश का कारण क्यों बन जाती है? 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में कीजिए: हरगोबिन होश में आया। बड़ी बहुरिया का पैर पकड़ लिया, "बड़ी बहुरिया! मुझे माफ़ करो। मैं तुम्हारा संवाद नहीं कह सका। तुम गाँव छोड़कर मत जाओ। तुमको कोई कष्ट नहीं होने दूँगा। मैं तुम्हारा बेटा ! बड़ी बहुरिया, तुम मेरी माँ, सारे गाँव की माँ हो ! मैं अब निठल्ला बैठा नहीं रहूँगा। तुम्हारा सब काम करूँगा। बोलो, बड़ी माँ, तुम तुम छोड़कर चली तो नहीं जाओगी ?" बड़ी बहुरिया गरम दूध में एक मुट्ठी बासमती चूड़ा डालकर मसकने लगी। संवाद भेजने के बाद से ही वह अपनी गलती पर पछता रही थी।

OR

12(a).

12(b).

जो समझता है कि वह दूसरों का उपकार कर रहा है वह अबोध है, जो समझता है कि दूसरे उसका अपकार कर रहे हैं वह भी बुद्धिहीन है। कौन किसका उपकार करता है, कौन किसका अपकार कर रहा है? मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है; अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास-विधाता की योजना के अनुसार। किसी को उससे सुख मिल जाए, बहुत अच्छी बात है; नहीं मिल सका, कोई बात नहीं, परंतु उसे अभिमान नहीं होना चाहिए। सुख पहुँचाने का अभिमान यदि गलत है तो दुख पहुँचाने का अभिमान तो नितरां गलत है।

13.

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए: (i) 'एक दृष्टिहीन व्यक्ति जितना बेबस और लाचार जीवन जीने को अभिशप्त होता है, सूरदास का चरित्र ठीक इसके विपरीत है।' 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए। (ii) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में विसनाथ पर होने वाले किस अत्याचार की बात कही गई है? आपकी दृष्टि में क्या इसे अत्याचार कहा जाएगा? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। (iii) 'अपना मालवा खाऊ.....' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि हमारे पूर्वज पानी का बेहतर ढंग से प्रबंध करना जानते थे।

- End of Question Paper -